

# राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 4 अंक 2

जुलाई-दिसम्बर 2002

1. बुद्ध-दर्शन की प्रासंगिकता तथा समाजोत्थान में बौद्ध धर्म का योगदान - डॉ. मृदुला जुगरान, प्रोफेसर इतिहास विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
2. समाजशास्त्र : वर्तमान सैद्धांतिक परिदृश्य और भारतीय अवदान की संभावनायें - डॉ. प्रशान्त त्रिपाठी रीडर समाजशास्त्र विभाग, वी.एस.एस.डी. कालेज कानपुर एवं डॉ. एम.एल. वर्मा, रीडर समाजशास्त्र विभाग, वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
3. किसान अर्थव्यवस्था : डॉ. लोहिया और चौधरी चरण सिंह के विचार - डॉ. आर.एस. त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय, जयसिंह नगर, (म.प्र.)
4. मानवाधिकार की अवधारणा एक राजनीतिक दृष्टिकोण - डॉ. सरला सराफ, अध्यक्ष राजनीतिशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
5. जनसंचार, सामाजिक परिवर्तन एवं महिलाओं की स्थिति - डॉ. कुमकुम मालवीय, रीडर एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
6. भारतीय समाज में बालश्रम - डॉ. अनीता देवी अग्रवाल, वरिष्ठ प्रवक्ता समाजशास्त्र, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ.प्र.)
7. भारत में महिला कृषि मजदूरों की संख्या में वृद्धिमानता - डॉ. प्रभा शर्मा, वरिष्ठ प्रवक्ता समाजशास्त्र, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ.प्र.)
8. थारू जनजाति: एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण - मुहम्मद मुबीन खान, उपजिलाधिकारी, नवाबगंज, बरेली (उ.प्र.)
9. अशफाक उल्ला खां और उनके समाजवादी विचार - डॉ. नरेन्द्र सिंह प्राध्यापक, लाल हरिराम इण्टर कालेज, खुदागंज, शाहजहांपुर (उ.प्र.)
10. शिक्षित महिलायें एवं धर्म - डॉ. मंजू चौधरी, प्रवक्ता समाजशास्त्र, आर.बी.डी. गर्ल्स पी.जी. कालेज, बिजनौर (उ.प्र.)
11. ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक सहभागिता : एक सैद्धांतिक विश्लेषण - डॉ. दिनेश कुमार सिंह, पुल साइंटिस्ट समाजशास्त्र विभाग, बी.एच.यू. वाराणसी (उ.प्र.)
12. बदलते भारतीय परिवेश में अन्तर्जातीय विवाह - डॉ. मीरा सिंह, प्रवक्ता समाजशास्त्र, आगरा कालेज, आगरा (उ.प्र.)
13. महात्मा ज्योतिबा फूले का सामाजिक चिन्तन - डॉ. जोगा सिंह होटी, रीडर एवं अध्यक्ष इतिहास विभाग, बरेली कालेज, बरेली एवं डॉ. अनीता शर्मा, अंशकालिक प्रवक्ता, इतिहास विभाग, बरेली कालेज, बरेली (उ.प्र.)
14. महिला पुलिस के प्रति जनसामान्य की अवधारणा - अमित सारिकवाल, शोध अध्येता, समाजशास्त्र, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा (उ.प्र.)
15. कार्य के प्रति पुलिस की जबावदेही : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन - उमाचरण, शोध अध्येता समाजशास्त्र, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली (उ.प्र.)
16. महात्मा गांधी : बरेली यात्राएं और सामाजिक परिवेश - मुहम्मद मुबीन खान, उपजिलाधिकारी नवाबगंज, बरेली (उ.प्र.)
17. मुस्लिम विवाह एवं मेहर - डॉ. ज़किया रफत, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, आर.बी.डी. गर्ल्स पी.जी. कालेज, बिजनौर (उ.प्र.)
18. अशफाक उल्ला खां की सामाजिक पृष्ठभूमि - डॉ. अनीता शर्मा, अंशकालिक प्रवक्ता, इतिहास विभाग, बरेली कालेज, बरेली (उ.प्र.)